४०२/४२५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग प्रवेश - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''उसके घर तुम्हारे जैसी तो दासियाँ हैं ।'' (५७)

२. ''तेजोमय धाम में तेजोमय सिंहासन पर महाराज बैठे हुए थे ।'' (१६)

३. ''आप इतनी दूर से चल कर आये हैं, थक गये होंगे इसलिये आप अब सो जाइये ।'' (२५)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. सगराम ने रास्ते में जाते चाँदी के तोड़े पर धूल डाल दी । (१३)

२. लाधीबाई ने सौभाग्यवती-सधवा का वेश बनाया । (३७)

३. गोलिड़ा गाँव के सिवान में यमदूत जलने लगे । (५८)

प्र.३ 'वसन्त पंचमी और महाशिवरात्री ।' (४७) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. संदेशवाहक ने चिट्ठी किस के हाथ में दी ? (६१)

२. महाराज ने कहा और किस के घर शाकोत्सव किया था ? (३२)

३. दुबली भट्ट किस गाँव के थे ? (३९)

४. गुरु जीव को दीक्षा के समय पर क्या मंत्र कहते हैं ? (२)

५. महाराज ने केशाबा को क्या आशीर्वाद दिया ? (६८)

प्र.५ 'करोड़ रुपये खर्च.....' (७१-७२) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. हिंसा न करनी ..... कोईकुं लगात । (२२)

२. वन्दन करीए ..... बहुनामी हरि । (३५)

३. दुष्प्राप्यमन्यैः ..... नमामि ॥ (२०)

४. न ह्यम्मयानि ..... साधवः॥ (६५) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आप आशीर्वाद दीजिए, जिससे हमारा कार्य सफल हो ।'' (८२)

२. ''तब इन मूर्तियों की भी वहाँ प्रतिष्ठा होगी ।'' (४८)

३. ''स्वामीश्री के विरुद्ध कार्य करने के लिए रिश्वत लूँ, ऐसा मैं गुरुद्रोही नहीं हूँ ।'' (६४)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. पूना के हरिभक्त भगवानदास को स्वामीश्री ने भोजन कर लेने को कहा । (८७)

२. प्रागजी भक्त की कथा का ढंग देखते यज्ञपुरुषदासजी को बड़ा आश्चर्य हुआ । (२२)

३. वड़ताल में हरिभक्तों ने स्वामीश्री को घी लाकर पिला दिया । (५२)

प्र.९ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. शुद्ध उपासना के मन्दिर । (५८-५९) २. अजोड़ विद्वत्ता । (३०-३२) ३. अक्षरपुरुषोत्तम की माधुकरी । (८१)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. यज्ञपुरुषदासजी की भेजी हुई भेंट भगतजी महाराज को कहाँ किस ने दी ? (२६)

२. समढ़ियाला के हरखा पटेल को स्वामीश्री ने कौन-सा धर्मपालन करवाया ? (८८)

३. करमसद शादी में गये हुए डुंगर भक्त ने भोजन के लिए क्यों मना कर दिया ? (६)

४. स्वामीश्री ने निर्मलदास स्वामी को मूर्तियों के बारे में क्या कहा ? (४५)

५. स्वामीश्री ने सयाजीराव महाराज का कौन-सा शोक दूर किया ? (७६)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. सद्‌गुरु की खोज़ में । (१३, १४)

(१) ☐ विज्ञानानंद स्वामी श्रीजीमहाराज के साथ २२ साल रहे थे ।

(२) ☐ डुंगर भक्त नें निश्चय कर लिया की विज्ञानानंद स्वामी को गुरु करेंगे ।

(३) ☐ विज्ञानानंद स्वामी को लगा, ''यह लड़का साधु हो जाय तो वह मेरा योग्य उत्तराधिकारी हो सकता है ।''

(४) ☐ विज्ञानानंद स्वामी शास्त्रों के गहरे अभ्यासी भी थे एवं संगीतज्ञ थे ।

२. देखते ही देखते चौथा शिखरबद्ध मंदिर । (९०)

(१) ☐ प्रतिष्ठा का मुहूर्त : सं. २००१ आषाढ़ मास में ।

(२) ☐ दो दिन पहले से ही बारिश होने लगी थी, सब घबड़ाये ।

(३) ☐ बाबुभाई पटेल स्वामीश्री को विद्यानगर पधारने का आमंत्रण देने गये ।

(४) ☐ स्वामीश्री ने लाहोर के हरिभक्तों को कहा, ''महाकाल आ रहा है, अपने वतन की ओर चले आना ।''

३. भगतजी महाराज ने शास्त्रीजी महाराज के लिए उच्चारे हुए शब्द । (२५, ३३)

(१) ☐ ''वह तो मेरा छैलछबीला लाल है ।''

(२) ☐ ''अस्मिन्, संप्रदाये एकमेव ।''

(३) ☐ ''उनकी बातें मुझे शक्कर के टुकड़े की तरह मीठी लगती हैं ।''

(४) ☐ ''यह यज्ञपुरुषदास तुम सबके हृदय की स्वच्छता का साधन है ।''

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : **विद्यारम्भ :** एक समय पीज गाँव में एक माणभट्ट आये, वे धातु की थाली बजाकर रामायण की कथा कहते थे । प्रागजी भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

उत्तर : **विद्यारम्भ :** एक समय **वसो** गाँव में एक माणभट्ट आये, वे **माणमिट्टी** की **गोल बड़ी गगरी** बजाकर **महाभारत** की कथा कहते थे । **डुंगर** भक्त ने एक बार कथा सुनी और कण्ठस्थ हो गई ।

१. **अक्षरधाम का द्वार :** कुछ लोग मन में सोचते रहते कि इतना बड़ा भव्य सिंहासन बड़ी कठिनाई से पूरा हुआ, अब उसका इतना बड़ा शिखर बनाने की क्या आवश्यकता है ? (९२)

२. **प्राकट्य और आशीर्वाद :** शास्त्रीजी महाराज का प्रादुर्भाव सं. १९८२, फाल्गुन शुक्ल पंचमी के दिन महेलाव गाँव में हुआ । (२)

३. **गुणातीत का गौरव :** उसी समय सौराष्ट्र में स्थित नन्हें गोखरवाला गाँव में हरिभक्त हरमानभाई को गुणातीतानंद स्वामी ने दर्शन दिये । (६१)

४. **मैं ही योगी और योगी ही मैं :** झलझीलनी के समैया के उत्सव पर सारंगपुर पहुँचने का निश्चय किया, वे हज़ारों हरिभक्तों को अंतिम दर्शन देना चाहते थे । (९९)

५. **अड़सठ तीर्थ :** काशी में खुशाल भगत को गाय के रूप में अड़सठ तीर्थों के दर्शन हुए, इससे भ्रम टूट गया । (८०)

६. **गुरुशिष्य का प्रेमप्रवाह :** ज्ञानजीवनदासजी जूनागढ़ मंदिर में दंडवत् कर रहे थे तो किसीने उनके शरीर में सूया भोंक दिया । किसीने लोटा मारा, परंतु वे तुरंत बाहर दौड़ गये । (२७)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm